खबर संक्षेप

शहडोल में अवैध निर्माण पर कार्रवाई की मांग



शहडोल। नगर पालिका शहडोल क्षेत्र में कथित अवैध निर्माण का मामला अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तक पहुंच गया है। वार्ड क्रमांक 26 के इंद्रा चौक क्षेत्र में भवन निर्माण की अनुमति, भूमि के उपयोग और नगर पालिका की निगरानी व्यवस्था को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता विशाल मंछवानी ने आरोप लगाया है कि संबंधित भूमि पर निर्धारित मानकों और आवश्यक अनुमति के बिना निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।शिकायत के अनुसार, गोरेश माधवानी, पिता विवेकानंद माधवानी तथा जय एवं विजय माधवानी द्वारा कथित रूप से तीन गुना भूमि पर बिना समुचित परमिशन के निर्माण कराया जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस संबंध में पहले भी विभाग को जानकारी दी गई थी, इसके बावजूद समस्या का निराकरण नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य जारी रहने से विवाद और परेशानी की स्थिति बन रही है।इस मामले में 27 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के जन हेतु-जन सेतु माध्यम से शिकायत क्रमांक 41300248 दर्ज कराई गई। शिकायत नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत नगर पालिका/नगर परिषद/अन्य नगरीय निकाय श्रेणी में दर्ज है। शिकायत की स्थिति में इसे शिकायत निराकरण अधिकारी (एल-1) से संबंधित बताया गया है तथा प्रगति विवरण अपेक्षित है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से स्थल का निरीक्षण कर निर्माण की वैधता, स्वीकृत नक्शे, भवन निर्माण अनुमति और भूमि संबंधी अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। यदि निर्माण नियमों के विपरीत पाया जाता है, तो नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा जताई गई है।

ठेंगरहा में जंगली हाथियों का आतंक, दहशत



शहडोल। जिले के जयसिंहनगर उत्तर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम ठेंगरहा और उसके आस-पास के इलाकों में जंगली हाथियों की आमद ने वन और पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही हाथियों की हलचल और ग्रामीणों की सुरक्षा को गंभीरत से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने अमले के साथ खुद मोर्चा संभाला। एसपी ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर प्रभावित क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम परके। निरीक्षण के दौरान एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) डॉ. गौरव सक्सेनाऔर एसडीओपी ऋषभ छारी के साथ हाथियों के आवागमन के संभावित मार्गों, उनकी मौजूदा लोकेशन और प्रभावित बस्तियों की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने इस बात पर विशेष मंथन किया कि हाथियों के मूवमेंट पर पल-पल की नजर कैसे रखी जाए ताकि किसी भी अनहोनी को समय रहते टाला जा सके। डीएफओ डॉ. गौरव सक्सेना ने बताया कि ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए वन विभाग का अमला पूरी तरह मुस्तैद कर दिया गया है। गांव की ओर विशेष रूप से फॉरेस्ट स्टाफ की तैनाती की गई है ताकि हाथियों के करीब आने पर तुरंत राहत पहुंचाई जा सके।
ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन और पुलिस प्रशासन ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं, गांवों में लगातार मुनादी कराकर और कोटवारों के माध्यम से लोगों को हाथियों की मौजूदगी के प्रति सतर्क किया जा रहा है। ग्रामीणों को कड़ी हिदायत दी गई है कि वे हाथियों से कम से कम 200 मीटर की दूरी बनाए रखें। सेल्फी लेने या उन्हें देखने के लिए भीड़ बिल्कुल न लगाएं। रात के वक्त खेतों, जंगलों या हाथी विचरण मार्ग पर जाने से पूरी तरह बचने को कहा गया है। साथ ही खेतों में बिजली के खुले तारों और खतरनाक कनेक्शनों को बंद रखने की अपील की गई है। हाथियों की पल-पल की लोकेशन ट्रैक करने के लिए कंट्रोल रूम एक्टिव है और विशेष व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए सूचना तंत्र को मजबूत किया गया है। हाथियों पर पटाखे फोडने, आग दिखाने या शोर-शराबा कर उन्हें उकसाने की सख्त मनाही है।
मौके पर मौजूद पुलिस अधीक्षक ने वन और पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी तालमेल बेहतर रखें और सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे। एसपी ने आमजन से अपील की है कि वे हाथियों की गतिविधि की जानकारी मिलने पर खुद उनके करीब जाने के बजाय तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचित करें।

पुलिस अधीक्षक ने किया जयसिंह नगर थाने का वार्षिक निरीक्षण
चुस्त-दुरुस्त कानून-व्यवस्था और जनहितैषी पुलिसिंग की सराहना







जवानों को दिए कड़े व प्रेरणादायक निर्देश

शहडोल। जिले में पुलिस महकमे को जनता के प्रति और अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और पारदर्शी बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल लगातार मैदानी दौरे कर रहे हैं। इसी क्रम में एसपी ने जयसिंहनगर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाने की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, और पुलिसकर्मियों के कामकाज का जायजा लिया गया। एसपी के इस दौरे से जहां पुलिस अमले में अनुशासन और सक्रियता देखने को मिली, वहीं स्थानीय नागरिकों में भी सुरक्षा का एक मजबूत और सकारात्मक संदेश गया है।

शस्त्रागार, मालखाना और अभिलेख मिले दुरुस्त

निरीक्षण की शुरुआत में पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की साफ-सफाई, रख-रखाव और कार्यालयीन व्यवस्थाओं का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने थाने के मालखाने, शस्त्रागार (आर्मी) और हवालात की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके अलावा, थाने में संधारित किए जाने वाले विभिन्न रजिस्टरों और दस्तावेजों की एक-एक फाइल खंगाली गई। एसपी ने अभिलेखों के व्यवस्थित और नियमानुसार संधारण की सराहना करते हुए सभी रिकॉर्ड को हमेशा अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कागजी कार्रवाई में पारदर्शिता और कसावट होने से न्याय प्रक्रिया तेज होती है और पीड़ितों को समय पर राहत मिलती है।

अपराधियों पर नकेल कसने पर जोर

थाने के कामकाज की समीक्षा करते हुए एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने लंबित अपराधों, शिकायतों और मर्ग प्रकरणों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने थाना प्रभारी और मैदानी अमले को दो टूक निर्देश दिए कि गंभीर किस्म के अपराधों में बिना किसी विलंब के त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद नहीं होने चाहिए, इसके लिए पुलिस को लगातार सतर्क रहना होगा। फरियादी जब भी थाने अपनी फरियाद लेकर आएं, तो उनकी समस्याओं को पूरी सहानुभूति और गंभीरता से सुनकर प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान किया जाना चाहिए।

गश्त और पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश

क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एसपी ने पुलिस बल को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने बीट क्षेत्रों में सतत निगरानी रखें। दिन और रात के समय नियमित गश्त और प्रभावी पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, ताकि आमजन खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस कर सकें। संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी आपात स्थिति या अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल को हमेशा तत्पर रहने को कहा गया। जनता की सुरक्षा के प्रति पुलिस की यह तत्परता क्षेत्र में कानून का इकबाल बुलंद करने का काम कर रही है।

पुलिस और जनता का रिश्ता हो मित्रवत

निरीक्षण के अंत में थाने के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली गई, जिसमें एसपी ने अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने पुलिसकर्मियों को हिदायत दी कि आम नागरिकों के प्रति उनका व्यवहार हमेशा संवेदनशील, मृदु और सहयोगात्मक होना चाहिए। एसपी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होना बेहद जरूरी है। जब आम आदमी का पुलिस पर विश्वास बढ़ेगा, तभी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। जयसिंहनगर थाने के इस सकारात्मक और औचक निरीक्षण से पुलिसकर्मियों में अपने दायित्वों के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ है, और क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने भी प्रशासन के इस कदम की सराहना की है।

खाकी की निगरानी में रेत का खेल?

सोहागपुर से गोहपारू तक अवैध परिवहन के आरोप

कमांडो एएसआई की भूमिका पर उठे सवाल!
रात के अंधेरे में रेत से लदे मिनी ट्रकों की आवाजाही पर सवाल
पुलिस और खनिज विभाग की कार्रवाई को लेकर बढ़ी चर्चा



शहडोल। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। सोहागपुर और गोहपारू क्षेत्र में रात के अंधेरे में रेत से लदे मिनी ट्रकों की आवाजाही को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। नवाटोला और लेदरा सहित आसपास के क्षेत्रों में कथित तौर पर जारी गतिविधियों ने पुलिस, खनिज विभाग और जिला प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जब अवैध परिवहन की शिकायतें सामने आ रही हैं, तो जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई जमीन पर कितनी प्रभावी है? मामले में सोहागपुर थाने में पदस्थ एएसआई, जिन्हें स्थानीय स्तर पर 'कमांडो' नाम से जाना जाता है, की भूमिका और कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, उनकी किसी प्रत्यक्ष संलिप्तता या अवैध कारोबार को संरक्षण देने की पुष्टि करने वाले स्वतंत्र साक्ष्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में उनकी भूमिका की निष्पक्ष जांच और तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है।

आखिर रात में कौन कर रहा निगरानी?

रेत से भरे वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस, खनिज विभाग और प्रशासन की है। यदि संबंधित क्षेत्रों में बिना वैध अनुमति रेत का परिवहन हो रहा है, तो यह सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के साथ नियमों के पालन पर भी गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। रात के समय संचालित वाहनों की जांच, परिवहन दस्तावेजों का सत्यापन और संदिग्ध गतिविधियों पर कार्रवाई जैसे कदम जरूरी हैं।

दावों और जमीनी हकीकत के बीच कितना अंतर?

अवैध रेत कारोबार को लेकर समय-समय पर उठने वाली शिकायतों के बीच यह जानना महत्वपूर्ण है कि कितने वाहनों की जांच हुई, कितने प्रकरण दर्ज किए गए और कितनी जब्ती की गई। संबंधित विभागों की कार्रवाई का सार्वजनिक विवरण सामने आने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

गंभीर बीमारी से परेशान टेलर ने दुकान में लगाई फांसी, मौत से परिवार में कोहराम

शहडोल। जिले के धनपुरी अंतर्गत गोल बाजार क्षेत्र में एक बेहद मर्माहत कर देने वाली घटना सामने आई है। लंबे समय से उच्च रक्तचाप (बीपी) और शुगर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे एक टेलर ने अपनी ही दुकान के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और हर कोई स्तब्ध है।

दुकान के भीतर फंदे पर लटका मिला शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक जुनैद गोल बाजार में अपनी सिलाई की दुकान संचालित करते थे। रोज की तरह वे दुकान पर थे, तभी उन्होंने यह खौफनाक कदम उठा लिया। दुकान के भीतर शव फंदे पर लटका मिलने की खबर



लगते ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में हडक़ंप मच गया। घटना की सूचना तुरंत धनपुरी थाना पुलिस को दी गई।

बीमारी से तंग आकर उठाया कदम

प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया है कि जुनैद पिछले काफी समय से गंभीर शारीरिक बीमारियों (बीपी और शुगर) से परेशान चल रहे थे। हालांकि, बीमारी के किस पहलू या किन अंदरूनी परिस्थितियों के चलते उन्होंने यह चरम कदम उठाया, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। सूचना मिलते ही धनपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया है और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मर्ग कायम कर मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है, और जांच रिपोर्ट तथा साक्ष्यों के आधार पर ही आत्महत्या की असल वजह सामने आ सकेगी। इस अचानक हुई दुर्घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और शोक की लहर दौड़ गई है।

मिठाइयों, मसालों और डेयरी उत्पादों की औचक जांच

कई प्रतिष्ठानों को थमाए गए नोटिस



शहडोल। त्योहारी सीजन और आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों पर जिला प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देश और अभिहित अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने जिलेभर में औचक निरीक्षण किए। शहडोल शहर से लेकर जैतपुर, केशवाही और नरसरहा तक किराना दुकानों, होटलों और डेयरी प्रतिष्ठानों पर हुई इस कार्रवाई से मिलावटखोरों में हडक़ंप मच गया है।
खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने अत्याधुनिक मोबाइल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के साथ शहडोल क्षेत्र में कई प्रमुख दुकानों और डेयरियों का जायजा लिया। इस दौरान अपना राजस्थान स्वीट्स, राजस्थान स्वीट्स, न्यू कलकत्ता डेयरी एंड डेली नीड्स, भुइया हलवाई, न्यू प्रयाग स्वीट्स, हीरा स्वीट्स डेयरी एंड डेली नीड्स और कलकत्ता डेयरी स्वीट्स एंड बेकरी जैसे प्रतिष्ठानों की मौके पर ही खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता जांची गई। इसके अलावा थोक और खुदरा किराना प्रतिष्ठानों जैसे अशोक कुमार टोपरदास, ओम ट्रेडिंग कंपनी, मान्या ट्रेडर्स, सतगुरु ट्रेडर्स और महालक्ष्मी एजेंसी की भी सघन जांच की गई। अधिकारियों ने इन दुकानों से नारियल किस, काजू, सूजी, मिर्च पाउडर, खाद्य एसेंस, मसाले और चार बीज के संदेहस्पद नमूने (सैंपल्स) जब्त कर उन्हें प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेज दिया है।
शहडोल के अलावा ग्रामीण और कस्बा क्षेत्रों में भी खाद्य अमले ने जमकर धमक दी। जैतपुर और केशवाही क्षेत्र में संचालित भोला होटल, प्रकृति स्वीट मार्ट और गोविंदा होटल की जब पड़ताल की गई, तो वहां किचन और भंडारण में साफ-सफाई की भारी कमियां पाई गईं। रसोई में पायी गई इस अव्यवस्था पर तीनों होटलों को तुरंत सुधार के लिए नोटिस जारी किए गए। टीम ने यहां से शुद्धता परखने के लिए पिस्ता और पनीर के नमूने भी सुरक्षित किए। उधर, नरसरहा क्षेत्र में स्थित एस.एम. वरदान इंडस्ट्रीज का औचक निरीक्षण करने पर वहां भी प्रबंधन की बड़ी लापरवाही और रखरखाव में खामियां उजागर हुईं। इस संस्थान को भी खाद्य सुरक्षा प्रशासन की ओर से सुधार नोटिस थमाया गया है।
विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मोबाइल लैब और विभिन्न प्रतिष्ठानों से उठाए गए सभी नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए राज्य की प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने और थमाए गए नोटिसों के जवाब मिलने के बाद नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य और शुद्ध खान-पान के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और मिलावट के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को नोटिस

वेतन रोकने और अवैतनिक करने के निर्देश

शहडोल। जिला प्रशासन अब जनता की शिकायतों के प्रति पूरी तरह सख्त रुख अपना चुका है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित समय-सीमा (टीएल) की बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा में भारी नाराजगी जताई। संतोषजनक प्रदर्शन और ग्रेड-ए न मिलने पर तकनीकी शिक्षा विभाग (आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक), जेल विभाग तथा आयुष विभाग के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर की इस सख्त कार्रवाई से प्रशासनिक अमले में हडक़ंप मच गया है।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि गत माह की तुलना में इस बार बेहतर परिणाम सामने आएं। उन्होंने विशेष रूप से हिदायत दी कि किसी भी



विभाग द्वारा निम्न गुणवत्ता (पुअर क्वालिटी) के साथ शिकायतें बंद नहीं की जानी चाहिए। यदि कोई अधिकारी बिना उचित समाधान के खानापूर्ति करते हुए शिकायतें बंद करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सीधी कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान 50 दिन से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए। वहीं 1000 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कलेक्टर ने दो टूक कहा कि अगर अगली बैठक तक इन मामलों का निराकरण नहीं हुआ, तो संबंधित अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक लगा दी जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों को नजरअंदाज करने या समय पर अटेंड न करने वाले लापरवाह अफसरों पर भी गाज गिरी है। बैठक में कई शिकायतें अनअटेंडेड मिलने पर कलेक्टर ने खासी नाराजगी जताई और तीन तहसीलदारों के साथ-साथ विद्युत विभाग देवलोंद के कनिष्ठ अभियंता (जेई) को अवैतनिक करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर और नियमानुसार समाधान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर कोताही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएम हाउस, सीएम मॉनिट और विभिन्न आयोगों से मिलने वाली शिकायतों का समय-सीमा के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए। इस अहम बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी सुश्री अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर दीपक मंडावी सहित तमाम प्रमुख विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को लेकर हुई मैराथन बैठक और प्रेसवार्ता

शहडोल में कांग्रेस ने लोकतंत्र की रक्षा का किया आह्वान

शहडोल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर चलाए जा रहे वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को लेकर शहडोल जिला कांग्रेस कमेटी पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है। मंगलवार को स्थानीय कांग्रेस भवन में संगठन की मजबूती और आगामी कार्ययोजना पर मंथन के लिए एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक एवं समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। इसके तुरंत बाद कांग्रेस नेताओं ने एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूचियों में कथित गड़बडियों को लेकर तीखे सवाल उठाए। एक ही दिन हुए इन दो बड़े आयोजनों से सियासी पारा गरमा गया है।

जगताप और विधायक नारायण पट्टा रहे प्रमुख रूप से मौजूद
कांग्रेस भवन में आयोजित बैठक और प्रेसवार्ता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर और महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक अर्जुनराव जगताप (भाई जगताप) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ जिला कांग्रेस प्रभारी एवं विधायक नारायण पट्टा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी ने की, जबकि जयसिंहनगर विधानसभा प्रभारी आशीष त्रिपाठी और ब्यौहारी विधानसभा प्रभारी त्रिभुवन सिंह की विशेष उपस्थिति ने आयोजन को और अहमियत दी।



आपसी समन्वय और बूथ स्तर पर सक्रियता पर जोर
संगठनात्मक एवं समन्वय समिति की बैठक के दौरान मुख्य अतिथि भाई जगताप ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के मूल उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के दौर में लोकतांत्रिक व्यवस्था और हर एक नागरिक के मताधिकार की रक्षा करना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने संगठन के हर स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, बूथ स्तर तक पकड़ मजबूत करने और आपसी समन्वय को बेहतर बनाने पर जोर दिया। जिला प्रभारी व विधायक नारायण पट्टा ने सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करने का आह्वान किया। वहीं, जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने जिले में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा रखते हुए सभी कांग्रेसजनों से एकजुट होकर पूरी शिद्दत के साथ मैदान में उतरने की अपील की। इसके बाद हुई समन्वय समिति की बैठक में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल और विभिन्न मोर्चा संगठनों की भूमिका तय की गई ताकि इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष, विभिन्न ब्लॉकों व मंडलों के अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी, निर्वाचित पार्षद, जिला व जनपद पंचायत सदस्य तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रेसवार्ता में उठा वोट चोरी का मुद्दा
संगठनात्मक बैठकों के बाद आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। ऑब्जर्वर अशोक अर्जुनराव जगताप ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि वोट चोरी का मुद्दा केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर देश के लोकतंत्र और नागरिक के मौलिक अधिकारों की रक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र, महादेवपुरा, हरियाणा और आलंद में मतदाता सूचियों से संबंधित उठाई गई कथित अनियमितताओं का हवाला दिया। उन्होंने मांग की कि मतदाता सूची के आंकड़ों को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए, संदिग्ध प्रविष्टियों की निष्पक्ष जांच हो और नाम जोडने तथा हटाने की प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और जवाबदेही लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है, और प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में सुरक्षित रहना चाहिए।

जन-जागरूकता अभियान चलाएगी कांग्रेस
प्रेसवार्ता के दौरान नेताओं ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता फैलाएगी। पार्टी बूथ स्तर पर मतदाता सूचियों का सत्यापन करेगी और प्रभावित मतदाताओं की समस्याओं को प्रमुखता से सामने लाएगी। इस प्रेसवार्ता में ब्यौहारी विधानसभा प्रभारी त्रिभुवन सिंह, बुढ़ार जनपद अध्यक्ष उमा धुर्वे, जयसिंहनगर विधानसभा प्रत्याशी नरेन्द्र सिंह और जिला कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला सहित कई प्रमुख कांग्रेसी नेता मौजूद रहे। इन आयोजनों से साफ है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस शहडोल जिले में आक्रामक तेवर के साथ सियासी मैदान में उतरने वाली है।

खबर संक्षेप



ठाकुर बाबा धाम में धूमधाम से मनाई गई शरद पूर्णिमा, कन्या भोज के साथ हुआ समापन

कोतमा। नगर के ठाकुर बाबा धाम मंदिर में सोमवार को शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। धार्मिक अनुष्ठानों और विशेष पूजा-अर्चना के बाद आयोजित विशाल कन्या भोज के साथ इस धार्मिक उत्सव का समापन हुआ। शरद पूर्णिमा के अवसर पर ठाकुर बाबा धाम मंदिर को विशेष रूप से फूलों और विद्युत झालरों से सजाया गया था। सुबह से ही स्थानीय और आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने ठाकुर बाबा धाम दरबार में मत्था टेका और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुजारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता कामेश्वरी देवी का विशेष श्रृंगार किया गया। दोपहर में महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे दिन मंदिर परिसर जय ठाकुर बाबा माता कामेश्वरी के जयकारों से गूंजता रहा। शरद पूर्णिमा के धार्मिक उत्सव मे मुख्य आकर्षण आयोजित किया गया विशाल कन्या भोज रहा। मंदिर समिति और स्थानीय श्रद्धालुओं के सहयोग से नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को पूरे आदर-सत्कार के साथ आमंत्रित किया गया। श्रद्धालुओं ने नौ देवियों के स्वरूप में कन्याओं के पैर पखारे, उन्हें तिलक लगाया और चुनरी ओढ़ाकर भोजन कराया। कन्या भोज के बाद उपस्थित सभी कन्याओं को उपहार और दक्षिणा देकर उनका आशीर्वाद लिया गया। कन्या भोज संपन्न होने के बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे के प्रसाद वितरण की शुरुआत हुई। ठाकुर बाबा का आशीर्वाद लेने पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर मे बैठकर महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा का उत्सव शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें नगर और ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों का सराहनीय सहयोग रहा। देर शाम तक मंदिर में श्रद्धालुओं के आने और भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा।



कार्तिक मास में अमरकंटक के परमहंस आश्रम में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में कार्तिक मास के पावन अवसर पर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना से परिपूर्ण श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। परमहंस आश्रम अमरकंटक में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस सप्त दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ मंगलवार को विशाल कलश यात्रा एवं विधि-विधानपूर्वक भागवत पूजन के साथ शुभारंभ हुआ। भागवत मर्मज्ञ पंडित संतोष शास्त्री महाराज, मंडला के श्रीमुख से कथा का संगीतमय रसपान कराया जाएगा। सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में संगीतमय प्रवचन के माध्यम से श्रीमद्भागवत महापुराण में वर्णित विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान की लीलाओं के साथ भक्ति, धर्म, सदाचार, प्रेम, करुणा और मानव जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़े प्रसंगों का श्रवण करेंगे। आयोजन की निर्धारित रूपरेखा के अनुसार प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक भागवत पूजन तथा दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक संगीतमय कथा एवं प्रवचन होंगे। मंगलवार 27 अक्टूबर को विशाल कलश यात्रा, कथा शुभारंभ एवं भागवत पूजन के साथ धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। कथा के दूसरे दिन 28 अक्टूबर को भीष्म कथा एवं ध्रुव चरित्र, 29 अक्टूबर को अजामिलोपाख्यान, 30 अक्टूबर को भगवान श्रीराम जन्म एवं श्रीकृष्ण जन्म के प्रसंग सुनाए जाएंगे। 31 अक्टूबर को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं गोवर्धन पूजा का वर्णन होगा, जबकि 1 नवंबर को रुक्मिणी विवाह का प्रसंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। सोमवार 2 नवंबर को सुदामा चरित्र के भावपूर्ण वर्णन के साथ कथा का समापन होगा। श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन कृष्ण कुमार एवं अनीता बर्मन, हर्षिल कुमार एवं पार्वती बर्मन तथा शुभम कुमार एवं सिमरन बर्मन द्वारा कराया जा रहा है। आयोजकों ने धर्मप्रेमी नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से कथा में सहभागिता कर भगवान श्रीहरि की महिमा का श्रवण करने तथा पुण्यलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

घटिया सामग्री और रेत माफियाओं की खुली छूट से खड़े हो रहे बड़े सवाल

करोड़ों के एकलव्य छात्रावास निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार









उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली क्षेत्र में शिक्षा के मंदिर को खड़ा करने के नाम पर किस तरह सरकारी धन की लूट मची है, इसकी बानगी सूखा धौरई के आगे बन्नौदा मार्ग पर साफ़ देखी जा सकती है। आदर्श एकलव्य विद्यालय के ठीक पहले करोड़ों रुपए की लागत से बनाए जा रहे बालक-बालिका छात्रावास का निर्माण भ्रष्टाचार की गहरी नींव पर खड़ा होता नजर आ रहा है। जिम्मेदार महकमे की आंखें मूंद लेने और निर्माण एजेंसी की खुली छूट के चलते इस प्रोजेक्ट को भ्रष्टाचार का अखाड़ा बना दिया गया है, जहां नियमों को ताक पर रखकर घटिया सामग्री का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है।

न बोर्ड, न ही कोई सुध लेने वाला

करोड़ों रुपए के इस बड़े प्रोजेक्ट की हकीकत जानने के लिए जब मौके की पड़ताल की गई, तो सबसे पहले लापरवाही का जो नजारा सामने आया, उसने निर्माण एजेंसी और ठेकेदार की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। नियमानुसार किसी भी सरकारी निर्माण स्थल पर प्राक्कलन बोर्ड लगाया जाना अनिवार्य होता है, जिस पर लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य पूर्ण होने की तिथि और ठेकेदार का विवरण दर्ज होना चाहिए, लेकिन यहां आम जनता और मीडिया की आंखों में धूल झोंकने के लिए ऐसा कोई भी बोर्ड नहीं लगाया गया है। बिना किसी पारदर्शिता के चल रहे इस निर्माण कार्य ने साफ कर दिया है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

जिला मुख्यालय के ठेकेदार पर मेहरबान एजेंसी

जानकारी के अनुसार इस करोड़ों के प्रोजेक्ट का ठेका जिला मुख्यालय के रहने वाले विश्वकर्मा नामक ठेकेदार को मिला है, लेकिन हैरानी इस बात की है कि निर्माण एजेंसी ने ठेकेदार को जैसे खुली छूट दे रखी है कि वह जैसे चाहे वैसे काम कराए। गुणवत्ता के पैमानों को ताक पर रख दिया गया है और साइट पर इंजीनियरों या निरीक्षकों की आवाजाही न के बराबर है, जिसका पूरा फायदा उठाकर ठेकेदार मनमाने तरीके से घटिया निर्माण को अंजाम दे रहा है।

चोरी की रेत और अवैध मिट्टी से हो रहा निर्माण

निर्माण कार्य में हो रही धांधली यहीं नहीं रुकती, बल्कि इसकी जड़ें काफी गहरी हैं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि छात्रावास के इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य में खुलेआम चोरी की रेत खपाई जा रही है। नींव और स्ट्रक्चर की मजबूती दांव पर लगाकर साइट पर धड़ल्ले से घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है। हद तो तब हो गई जब फिलिंग (भराव) के नाम पर मानकों को दरकिनार कर अवैध मिट्टी का धड़ल्ले से उपयोग किया जाने लगा। क्षेत्र में चर्चा है कि सत्या और बाबा नामक रेत माफिया इस अवैध खेल के मुख्य खिलाड़ी हैं। सत्ताधारी दल के एक रसूखदार नेता के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष संरक्षण के दम पर ये माफिया बेखौफ होकर 4,000 प्रति ट्राली के हिसाब से घटिया, मिट्टी युक्त रेत सीधे निर्माण स्थल पर खपा रहे हैं। राजनीतिक धौंस और प्रशासनिक चुप्पी के चलते इन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे दिनदहाड़े सरकारी योजना की चूलें हिलाने में लगे हैं।

भविष्य के कर्णधारों की जिंदगी से खिलवाड़

यह छात्रावास उन आदिवासी और गरीब बच्चों के रहने और पढने के लिए बन रहा है, जिन्हें देश का भविष्य कहा जाता है। लेकिन जिस घटिया सामग्री और चोरी की रेत-मिट्टी से यह इमारत तैयार की जा रही है, वह आने वाले समय में कभी भी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और प्रबुद्ध जनों ने इस पूरे मामले में जिला प्रशासन और उच्चाधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर ठेकेदार, भ्रष्ट अधिकारियों और संरक्षण देने वाले नेताओं पर शिकंजा नहीं कसा गया, तो क्षेत्र की जनता उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।



करवाचौथ की खरीदारी के लिए उमड़. रही भीड़ से गुलजार हुआ बाजार

कोतमा।

करवाचौथ व्रत की तैयारी के लिए बाजार में महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। 29 अक्टूबर को होने वाले इस पर्व के लिए रेडीमेड गारमेंटस, साड़ियों, श्रृंगार सामग्री और ज्वेलरी की खरीदारी तेजी से हो रही है। रेडीमेड गारमेंटस, साड़ियों, श्रृंगार सामग्री से लेकर ज्वेलर्स तक की खरीदारी के लिए दुकानों पर महिलाओं की भीड़ दिखाई दे रही है। ब्यूटीशियन व मेहदी लगाने वालो की अभी से व्रती महिलाएं बुकिंग कर रही हैं। इस बार करवाचौथ पर्व 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। जिसमें अब दो दिन का समय शेष रह गया है। करवाचौथ पर्व पर होने वाली खरीददारी को लेकर दुकानदार भी तैयारी कर लिये हैं और कपड़े समेत अन्य आइटम मंगाकर दुकानें सजा दी गयी हैं। कपड़ो की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखी जा रही है। कास्मेटिक दुकानों पर भी खरीदारी करने के लिए महिलाएं पहुंच रही हैं। शिल्क साड़ियों की डिमांड ज्यादा बढ गयी हैं। हालांकि फैंसी सूट की बिक्री भी कम नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में भी इस व्रत को लेकर महिलाएं खरीददारी कर रही हैं। अभी नवरात्र व दशहरा का त्योहार संपन्न हुए चंद दिन ही हुए है। इस दौरान भी खरीददारी के लिए बाजार में भीड़ उमड़ रही थी। अब करवाचौथ के त्योहार को लेकर खरीदारी शुरू हो गई है। अभी धनतेरस, दिपावली, छठ जैसे पर्व भी बाकी हैं। ऐसे में बाजार में लोगों की आवाजाही बढ़ने से व्यापारी काफी खुश हैं। महिलाओं द्वारा खूब खरीददारी की जा रही है। डिजाइनर साड़ियों व लहंगों की मांग बढ़ गई है। कपड़ो से लेकर ज्वेलरी, पूजा थाल, श्रृंगार का समान करवा छलनी सभी तरह की आकर्षक वैरायटी बाजार में उतारी गई हैं। दुकानों के अलावा बुटीक पर भी ब्रांडेड ड्रेसेस की मांग की जा रही है। करवाचौथ में लाल रंग की साड़ी, सूट की ज्यादा मांग है। मेहंदी रचानेवाली व ब्यूटीशियन की बुकिंग अभी से शुरू हो गई है। चूड़ी और कास्मेटिक की दुकानों पर भी महिलाओं और युवतियों की भीड़ दिख रही है। नगर के गांधी चौक स्टेशन चौक पुराना स्टेट बैंक चौक के बाजार में करवा चलनी सहित अन्य पूजा की सामग्री की दुकानें सज गई हैं। महिलाओं की भीड़ बाजार में पहुंचकर खरीददारी में जुटी हुई है।

पुल और सड़क निर्माण के लिए बकेली में ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरने पर

20 किलोमीटर के दर्दनाक चक्कर से मुक्ति की हुंकार

मानपुर। वर्षों से बदहाल आवागमन और प्रशासनिक उपेक्षा का दंश झेल रहे मानपुर क्षेत्र के ग्रामीणों के सब्र का बांध आखिरकार टूट गया। हलफल-भादर नदी पर बहुप्रतीक्षित पुल के निर्माण और उमरिया-बकेली से मझौली-चहली मार्ग के अधूरे काम को पूरा कराने की मांग को लेकर मंगलवार, 27 अक्टूबर को बकेली गांव रणभूमि में बदल गया। मानव समाज सेवा समिति के झंडे तले दर्जनों ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों ने जंगल चौकी बैरियर के समीप अनिश्चितकालीन सामूहिक सत्याग्रह की शुरुआत कर दी है।

सुबह 11 बजे से जमावड़ा, गूंजे मांग के नारे

मंगलवार की सुबह लगभग 11 बजे से ही बकेली स्थित हलफल-भादर नदी के तट पर ग्रामीणों की हलचल तेज हो गई थी। देखते ही देखते करीब 50 से अधिक महिला-पुरुष धरना स्थल पर एकत्रित हो गए और शासन-प्रशासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने साफ शब्दों में कहा कि यह प्रदर्शन केवल एक औपचारिक मांग नहीं, बल्कि क्षेत्र की दशकों पुरानी बुनियादी समस्या से निजात पाने की एक निर्णायक लड़ाई है।

विकास के दावों के बीच फंसा जनजीवन

धरनास्थल पर उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा बयां करते हुए बताया कि हलफल-भादर नदी पर आज तक पुल न बनने के कारण बकेली, करौंदिया, सुखदास, पिटौर, बमोरा, कसेरू और बड़वाही जैसे दर्जनों गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट जाता है। बरसात के दिनों में या सामान्य समय में भी ग्रामीणों को अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए लगभग 20 किलोमीटर का लंबा और पीड़ादायक चक्कर काटना पड़ता है। सडक़ अधूरी होने के कारण सबसे ज्यादा मार स्कूली बच्चों, गंभीर मरीजों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं पर पड़ रही है। एम्बुलेंस समय पर गांव नहीं पहुंच पाती और रोजमर्रा के काम के लिए शहर जाने वाले युवाओं को भी भारी मशक्कत करनी पड़ती है।

विभागीय लालफीताशाही में उलझी प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना

आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के तहत स्वीकृत यह सडक़ वन विभाग की एनओसी और विभागीय प्रक्रियाओं के चक्कर में वर्षों से लटकी हुई है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और वन विभाग की आपत्तियों व औपचारिकताओं के कारण निर्माण कार्य ठप पड़ा है। ग्रामीणों का तीखा सवाल है कि विभागों की आपसी सुस्ती और लालफीताशाही की सजा आम जनता आखिर कब तक भुगतती रहेगी?



शासन-प्रशासन को पहले ही दी जा चुकी है चेतावनी

मानव समाज सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आंदोलन का यह कदम अचानक नहीं उठाया गया है। इससे पहले जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उपसंचालक, एसडीएम मानपुर, इंदवार थाना प्रभारी और अमरपुर चौकी प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर समस्या के त्वरित समाधान की मांग की गई थी। इसके बावजूद जब कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तब ग्रामीणों को सडक़ पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जब तक मांग पूरी नहीं, तब तक जारी रहेगा संग्राम

27 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अनिश्चितकालीन धरना केवल एक शुरुआत है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक हलफल-भादर नदी पर पुल निर्माण की औपचारिक स्वीकृति नहीं मिलती और अधूरी सडक़ का काम धरातल पर शुरू नहीं होता, तब तक यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा। समिति ने आसपास के तमाम गांवों के युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस जनआंदोलन में बढ़-चढक़र हिस्सा लें और अपने हक की लड़ाई को मजबूत बनाएं। क्षेत्र में बढ़ रहे जनाक्रोश को देखते हुए अब गेंद पूरी तरह से जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के पाले में है।

मुन्नी के साए में फल-फूल रहा नशे का साम्राज्य, बर्बादि हो रही युवा पीढ़ी!

पाली में खुलेआम बिक रहा हरा जहर



उमरिया। कोयलांचल और आस्था की नगरी के रूप में मशहूर बिरसिंहपुर पाली इन दिनों अपनी संस्कृति के लिए नहीं, बल्कि मौत के काले कारोबार के लिए सुर्खियों में है। नगर का वार्ड क्रमांक 12 हो या संवेदनशील झिरिया मोहल्ला, हर तरफ हवाओं में एक ऐसा जहर घुल रहा है जो युवा पीढ़ी की सांसें घोंट रहा है। पुलिस की फाइलों में भले ही इस अवैध धंधे पर लगाम कसने के दावे किए जाते हों, लेकिन हकीकत यह है कि स्वागत गेट से लेकर सूखा धौरई तक नशे का यह नेटवर्क अब दोगुनी रफ्तार और दुगुनी दुस्साहस के साथ सक्रिय हो चुका है।

खाकी की कथित रहमत और बदलती रणनीतियां

सूत्रों की मानें तो बीते दिनों हुई कुछेक खानापूर्ति वाली पुलिसिया कार्रवाई से नशे के सौदागरों के हौसले पस्त होने के बजाय और अधिक बुलंद हो गए हैं। इन शातिर कारोबारियों ने अपनी रणनीति बदली, मोहरे बदले और नए ठिकाने तैयार कर लिए। चर्चाएं सरेआम हैं कि मुन्नी के खास संरक्षण के साए में अब नए-नए प्यादों को आगे करके इस काले कारोबार का पूरा साम्राज्य चलाया जा रहा है। स्वागत गेट के आसपास मंडराते संदिग्ध चेहरे, झिरिया मोहल्ले का बदनामी का नया अड्डा और सूखा धौरई का इलाका—इन तमाम जगहों पर मौत की पुड़िया आसानी से उपलब्ध होने की चर्चाएं आम हो चुकी हैं। शाम ढलते ही इन इलाकों में शुरू होने वाला संदिग्धों का मेला देर रात तक गवाह बनता है कि कानून का पहरा कितना कमजोर पड़ चुका है।

बर्बादी के कगार पर परिवार

इस संगठित मकडज़ाल का सबसे खौफनाक और दिल दहला देने वाला पहलू यह है कि इसकी चपेट में नगर की मासूम युवा पीढ़ी तेजी से आ रही है। स्कूल-कॉलेज की दहलीज लांघने वाले नौजवानों से लेकर दिहाड़ी मजदूरों तक को इस काले दलदल में धकेला जा रहा है। चंद रुपयों के मुनाफे के लिए नशे के ये सौदागर मासूमों का भविष्य अंधकार में झोंक रहे हैं। इस लत की वजह से कई हंसते-खेलते परिवार आज भुखमरी, कर्ज और घरेलू कलह की आग में सुलगकर तबाह हो चुके हैं। जिस उम्र में युवाओं के हाथों में किताबें और सुनहरे सपने होने चाहिए, उस उम्र में वे नशे की गिरफ्त में घुट-घुट कर जीने को मजबूर हैं। अभिभावक अपने कलेजे के टुकड़ों का भविष्य उजड़ता देख रातों की नींद गंवा चुके हैं।

खाकी और सफेदपोशों की मौन सहमति से चल रहा खेल?

जनचर्चाओं का बाजार इस बात को लेकर भी पूरी तरह गर्म है कि क्या वाकई यह अवैध नेटवर्क स्थानीय प्रशासन और पुलिस की नजरों से ओझल है या फिर खाकी और कुछ सफेदपोशों की कथित मौन सहमति इस काले कारोबार को ऑक्सीजन दे रही है? जब सरेआम मौत का सामान बिक रहा हो, तो कानून व्यवस्था की साख पर बट्टा लगना लाजिमी है। प्रबुद्ध नागरिकों का साफ कहना है कि बिना किसी अंदरूनी और मजबूत राजनीतिक-प्रशासनिक शह के इतना बड़ा नेटवर्क इस तरह बेखौफ तरीके से संचालित नहीं हो सकता। आखिर बार-बार शिकायतों के बावजूद इस जहरीले तंत्र को नेस्तनाबूद क्यों नहीं किया जा रहा, यह पाली की जनता के लिए एक बड़ा यक्ष प्रश्न बन गया है।

एसडीओपी पर टिकीं उम्मीदें

पाली क्षेत्र में तेजी से फैलते अपराध और नशे के इस नासूर को देखते हुए अब पीड़ित परिवारों, समाजसेवियों और जागरूक नागरिकों की निगाहें क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों पर टिकी हैं। जनता ने खुलकर गुहार लगाई है कि प्रशासनिक अमला इस मामले को स्वतः संज्ञान में ले, मुन्नी और उसके गुर्गों के इस साम्राज्य की गहराई से छानबीन करे और नशे के इन सौदागरों की रीढ़ तोडक़र रख दे।



प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत समितियों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण संपन्न बरतराई में सामाजिक सहभागिता, संवाद कौशल और दस्तावेजीकरण की दी जानकारी

बदरा/जमुना। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड अनूपपुर के सेक्टर क्रमांक 04 अंतर्गत ग्राम पंचायत बरतराई में प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण विकास की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए सदस्यों को प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपसरपंच रामअवतार ने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में परामर्शदाता प्रशिक्षक शिवानी सिंह ने परिषद के माध्यम से क्षेत्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों तथा अब तक किए गए सामाजिक कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली, सामाजिक सहभागिता और ग्रामीण विकास में परिषद की भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। द्वितीय सत्र में परामर्शदाता प्रशिक्षक कृष्णा देवी ने प्रस्फुटन समितियों को स्वयंसेवी संगठन के रूप में विकसित करने के विषय पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि समितियां सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाकर अपनी कार्यक्षमता बढ़ा सकती हैं और संगठित प्रयासों के माध्यम से समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ा सकती हैं। इस दौरान सामाजिक उत्तरदायित्व, सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण के दौरान संवाद कौशल एवं दस्तावेजीकरण की उपयोगिता समझाई गई। कृष्णा देवी ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए स्पष्ट, सरल और प्रभावी संवाद आवश्यक है। वहीं, समितियों की बैठकों, सामाजिक गतिविधियों और उपलब्धियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण संस्था के कार्यों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के साथ भविष्य की योजनाएं तैयार करने में भी सहायक होता है। तृतीय सत्र में परामर्शदाता शिवानी सिंह ने बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रमों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक कार्य एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में शिक्षा और कौशल प्राप्त करने के अवसरों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में उपसरपंच रामअवतार, परामर्शदाता शिवानी सिंह, कृष्णा देवी, प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव तथा नवांकुर सखियां उपस्थित रहीं। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में सहभागिता करते हुए सामाजिक विकास और जनकल्याणकारी गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने की जानकारी प्राप्त की।

दीपावली पर्व से पहले पुलिस ने चलाया विशेष वाहन चेकिंग अभियान, चालकों को दी समझाइश



कोतमा। आगामी दिनों मे पड़ने वाले दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने सोमवार को केशवाही चौराहा मे विशेष सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान पुलिस टीम ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बारीकी से जांच की। पुलिस ने कार चालकों को अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाने की सख्त हिदायत दी और नियमों का पालन करने को कहा। साथ ही चार पहिया वाहनों की डिक्की की चेकिंग की। बाइक चालकों को वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और गाड़ी पर तीन सवारी न बैठाने की कड़े शब्दों में नसीहत दी गई। साथ ही दो पहिया वाहनों के आगे पीछे नंबर प्लेट की चेकिंग करते हुए बिना नंबर प्लेट के वाहन चालकों को नंबर प्लेट लगाने की हिदायत दी गई। दो दर्जन से ज्यादा वाहनों की पुलिस ने चेकिंग की। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने वाहन चालकों से अपील की है कि दीपावली त्यौहार में होने वाली भारी भीड़-भाड़ को देखते हुए गति सीमा में वाहन चलाएं और शराब पीकर वाहन न चलाएं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या दुर्घटना से बचा जा सके। पुलिस का यह अभियान दीपावली त्यौहार के दौरान शांति, सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार जारी रहेगा। चेकिंग अभियान मे थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल, सहायक उपनिरीक्षक सुखी यादव, गोबिंद प्रजापति, रामखेलावन यादव, अनिल सहित पुलिस कर्मचारी उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पुलिस की कार्रवाईः हाथीडोल तिराहे पर सट्टा लिखते एक आरोपी गिरफ्तार, नगद व सामग्री ज़ब्त

बुढ़ार। कहने को तो पुलिस की नजर में सट्टा और जुआ जैसे अवैध कारोबार पूरी तरह बंद हैं, लेकिन मैदानी स्तर पर सक्रियता दिखाते हुए बुढ़ार पुलिस ने सटोरियों के खिलाफ एक बार फिर कार्रवाई की है। पुलिस ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए हाथीडोल तिराहे के पास से सट्टा संचालित कर रहे एक आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को बुढ़ार पुलिस को हाथीडोल तिराहा क्षेत्र में अवैध रूप से सट्टा खिलाए जाने की सूचना मिली थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा। पकड़े गए आरोपी की पहचान विजय गुप्ता (पिता रोहणी गुप्ता) निवासी हाथीडोल के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन और 3,200 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत सट्टा एक्ट (Gambling Act) के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रो का कहना है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

7.40 किलो गांजे के साथ धरा गया युवक

कटनी। बरही थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक के पास से बड़ी मात्रा में गांजा जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के अंतर्गत कनौर रोड स्थित साईं मंदिर के पास अवैध रूप से मादक पदार्थ ले जाए जाने की पुख्ता सूचना मिली थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दबिश दी। तलाशी के दौरान मौके पर मौजूद अमरोहा पारधी पिता रोहान पारधी 23 वर्ष निवासी छिदिया टोला के कब्जे से 7.40 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक नरेश झारिया व अन्य स्टाफ की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह भारी मात्रा में गांजा कहां से लेकर आया था और इसे कहां खपाने की योजना थी। इस अवैध कारोबार में संलिप्त अन्य संदिग्धों के बारे में भी बारीकी से पूछताछ की जा रही है।

नहाने के दौरान तालाब में डूबने से युवक की मौत

कटनी। बरही थाना अंतर्गत ग्राम सलैया सिहोरा में तालाब में नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से एक युवक डूबने से मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सलैया सिहोरा निवासी 18 वर्षीय सुमित कुमार पाटकर पिता संतोष पाटकर किसी कार्य से या नहाने के उद्देश्य से गांव के पास स्थित तालाब की ओर गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी की चपेट में आ गया, जिससे वह तालाब में डूब गया। जब तक आसपास के लोग या परिजन उसे बचा पाते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और पानी में डूबने से उसकी सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद मामले की सूचना बरही पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के वक्त परिस्थितियां क्या थीं और किन कारणों से युवक गहरे पानी में डूबा।

मारपीट की हुई घटनाएं

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत घंघरी कला निवासी सौरभ रैदास 20 वर्ष के साथ आलोनी नदी के घाट पर संजय आदिवासी ने गालियां देकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत पर अपराध दर्ज किया है। इसी तरह बरही थाना के खन्ना निवासी पन्नालाल पटेल 38 वर्ष के साथ सिर्रीलाल यादव, रामदास यादव और चंदा यादव ने एक राय होकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

बुढ़ार के न्यू लक्ष्य आईटीआई में बड़ी चोरीः अज्ञात चोरों ने लेथ और ड्रिल मशीन के मोटर समेत 68,000 रुपये का सामान पार किया

बुढ़ार।स्थानीय धनपुरी रोड स्थित न्यू लक्ष्य आईटीआई कॉलेज में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर लगभग 68,000 रुपये मूल्य के पुराने इस्तेमाली उपकरण और मशीनरी के मोटर चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पीछे का दरवाजा तोड़कर घुसे चोर

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आईटीआई के प्रिंसिपल भैयालाल साहू (पिता श्यामलाल साहू, उम्र 39 वर्ष, निवासी ग्राम सरईकापा, थाना बुढ़ार) ने थाने में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वे न्यू लक्ष्य आईटीआई (वार्ड नं. 01, धनपुरी, थाना बुढ़ार) में प्रिंसिपल के पद पर पदस्थ हैं। कॉलेज में रात के समय चौकीदार रेवा महरा रहता था, जो 26 अक्टूबर 2026 की सुबह 8:00 बजे



तक ड्यूटी पर था; इसके बाद से संस्थान में कोई चौकीदार नहीं था। जब प्रिंसिपल ने 27 अक्टूबर 2026 की सुबह 10:00 बजे आईटीआई



पहुंचकर मुआयना किया, तो पाया कि भवन के पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था और अंदर रखे प्रशिक्षण उपकरण गायब थे।



अज्ञात चोरों ने किया पार सामान

आईटी आई से लेथ मशीन मोटरः 4 मोटर (कीमती लगभग 7,000 रुपये प्रति मोटर, कुल मूल्य 28,000 रुपये),ड्रिल मशीन मोटरः 4 ड्रिल मशीन मोटर सहित (प्रत्येक में 1 एचपी का पुराना मोटर, कुल मूल्य 16,000 रुपये),ग्राइंडर मशीनः पुरानी इस्तेमाली (कीमती 6,000 रुपये),स्टोर टूल्सः रेती, हेक्सा, वर्नियर कैलिफर, सरफेस प्लेट, एनिबिल आदि पुराने उपकरण (कीमती लगभग 18,000 रुपये)कुल लगभग 68,000 रुपये आंकी है।

पुलिस कार्रवाई

फरियादी की रिपोर्ट के आधार पर बुढ़ार पुलिस ने बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है और मामले की गहन विवेचना की जा रही है।

बुढ़ार तहसील परिसर में खड़ी तहसीलदार की गाड़ी पर पथराव, अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

बुढ़ार।स्थानीय तहसील परिसर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां अज्ञात व्यक्ति द्वारा तहसीलदार के शासकीय वाहन पर पत्थर मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

तहसील के कोटवार कपिल कुमार (पिता स्व. गजेंद्र प्रसाद तिवारी) द्वारा पुलिस को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, बीती शाम करीब 5 बजे एक युवक तहसील कार्यालय के सामने बने स्पीड ब्रेकर पर साइकिल समेत गिर गया था। इसके बाद रात करीब 11 बजे से सुबह 7 बजे के बीच कोई अज्ञात व्यक्ति तहसील परिसर में घुसा।

रिपोर्ट में बताया गया कि अज्ञात व्यक्ति ने शेड के नीचे खड़े तहसीलदार के वाहन पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे गाड़ी को नुकसान पहुंचा है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कोटवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है, हालांकि अभी तक आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है।फिलहाल, पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही अन्य तथ्यों की जांच कर रही है और अज्ञात आरोपी की धरपकड़ के प्रयास जारी हैं।

इनका कहना

इस पूरे घटनाक्रम पर बुढ़ार के तहसीलदार ने बताया कि रात के समय वाहन तहसील प्रांगण में ही खड़ी रहती है। किसी शरारती तत्व द्वारा वाहन पर पथराव किया गया है, जिसकी प्राथमिक जानकारी थाने को देकर एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

संदीप बघेल, तहसीलदार बुढ़ार

छिरहा टोला में अब तक नहीं बनी सड़क

-सरपंच द्वारा ध्यान नहीं देने का लगाया ग्रामीणों ने आरोप

ब्यौहारी। नगर परिषद से महज 1 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत कल्हारी के अंतर्गत तिराहा टोला नगर परिषद से लगा हुआ है वहां पर 2 किलोमीटर की सड़क अभी तक नहीं बनी है नगर के इतनी नजदीक होने के बावजूद भी जब यह सड़क नहीं बन पाई तो ग्रामीण क्षेत्र की हालत क्या होगी शासन के विकास की योजना अभी तक यहां नहीं पहुंच पाई तो दूर अंचल के ग्रामीणों में क्या स्थिति होगी यह सोचने वाली बात है मोहल्ले के लोगों को

सड़क न होने के कारण लोगों को आने जाने में भारी परेशानी के सामना करना पड़ता है जबकि यहां सैकड़ों लोगों की बस्ती लगी हुई है ग्राम वासियों ने कलेक्टर से शीघ्र सड़क बनवाई जाने की मांग की है समस्या संज्ञान में ले जाने के बाद अब देखना यह होगा कि यहां सड़क कब तक में बन पाती है

इनका कहना हैः

मेरे द्वारा प्रयास किया गया लेकिन वन विभाग से अनुमति नहीं मिल पाई इसलिए सड़क नहीं बनवा पाया

फोकई सिंह सरपंच ग्राम पंचायत कल्हारी।

इनका कहना है।

सरपंच द्वारा प्रयास किया गया था कई बार लिखा पढ़ी भी किया गया लेकिन वन विभाग से अनुमति नहीं मिल पाई जिससे हम सड़क नहीं बना सके जय ओम तिवारी ग्राम रोजगार सहायक कल्हारी

शोषण कर रही सरकार।

-मानदेय बढ़ाये जाने की मांग।

-दूसरों का भविष्य बनाने वालों को खुद भविष्य सुरक्षित नहीं।

मध्य प्रदेश सरकार के अंडर काम करने वाले जन अभियान परिषद द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास को चलाया जाता है जिसके तहत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू का कोर्स संचालित किया जाता है उनमें कार्य करने के लिए छात्रों को पढ़ने के लिए मेंटर नियुक्त किए गए हैं जिनको परामर्शदाता भी कहा जाता है उनका मानदेय इतना कम है कि अपना परिवार नहीं चला सकते दूसरों को रोजगार देने के लिए बात करते हैं कोर्स कराते हैं लेकिन उनका खुद का भविष्य सुरक्षित नहीं है वर्तमान में मेंटरो को प्रति रविवार□1000 मिलता है और□1000 फील्ड में कार्य करने के लिए मिलता है मतलब की एक हफ्ते में □2000 महीने में □8000 इसके अलावा कहीं भी शासकीय कार्यक्रम है कोई भी गतिविधि है पौधा रोपण, कृषि जागरूकता हर जगह उनको पहुंचना अनिवार्य रहता है मतलब की पूरे महीने का काम बना रहता है कोर्स के नए छात्रों को ढूंढना उनका एडमिशन कराना उनकी फीस जमा करवाना यह काम भी उनको ही करना पड़ता है उसके बाद भी उनको बहुत कम पारिश्रमिक दिया जाता है जबकि वह मध्य प्रदेश सरकार की योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए किसी भी शासकीय विभाग से कम काम नहीं करते ऐसे में उनकी मांग है कि उनका मानदेय कम से कम 16000 रुपए प्रतिमाह किया जाए कम मानदेय के कारण अब तक में सैकड़ो परामर्शदाताओं ने अपनी नौकरी छोड़ दी है लेकिन जिन्होंने इसमें अपना जीवन खपा दिया वह आज भी समाज सेवा के ध्येय के कारण इसमें जुड़े हुए हैं और निरंतर काम कर रहे हैं सरकार को उनका मानदेय बढ़ाना चाहिए जिससे वह अपने परिवार का भरण पोषण अच्छे से कर सके और शोषण का शिकार होने से बच सके।

छिरहा टोला नगर परिषद से लगा हुआ है फिर भी यहां सड़क नहीं है यहां सड़क बनवा जाए महावीर साहू समाजसेवी।

मैं अपने छोटे छोटे बच्चों को लेकर के इसी कच्ची सड़क से निकलता हूं आए दिन उनके गिरने का खतरा बना रहता है सड़क बनवा जाए लखन साहू ग्रामवासी।

ग्राम पंचायत कह रही है कि मेरी सड़क है वन विभाग द्वारा कहा जा रहा है मेरी सड़क है जिसकी जहां हो नाप करके ले ले वन विभाग द्वारा बीच में घर बनवा दिया गया है अब वन विभाग द्वारा अड़ंगा लगाया जा रहा है अपनी अपनी जमीन नाप कर ले ले अड़ंगा ना लगे जिससे इस बस्ती में जो भी लोग हैं उनको सड़क मिल जाए।

स्वामी दिन साहू
छिरहा टोला।

2सड़क न होने से पूरे बस्ती के लोग प्रभावित हो रहे हैं यहां पर कई लोगों के घर और खेत है लोगों को निकालने में परेशानी होती है पंचायत की जिम्मेदारी है कि वन विभाग से क्लेरेंस लेकर सड़क बनवाई लेकिन पंचायत द्वारा विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा।

मथुरा साहू ग्राम वासी।

शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग का शुभारंभ

वक्ताओं ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए किया प्रेरित

बिरसिंहपुर पाली, 27 अक्टूबर 2026। शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से निःशुल्क रेमेडियल कोचिंग का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।



प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और कठिन परिश्रम के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और उसके लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से महाविद्यालय में उपलब्ध इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ गंगाधर ढोके ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विषयों की मूलभूत अवधारणाओं को समझने तथा नियमित अभ्यास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतर मेहनत से सफलता की राह आसान हो जाती है।

श्री अनुभव श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नरेश प्रसाद शुक्ला ने कर्म की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को निरंतर प्रयास करते रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कर्म करना हमारे अधिकार में है, इसलिए परिणाम की चिंता किए बिना पूरी निष्ठा और लगन से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। डॉ. ऋतु सेन ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, एकाग्रता और नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने की सलाह दी । डॉ. मनीषा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करते हुए उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। डॉक्टर त्रिभुवन गिरी ने बताया कि विषय के प्रति रुचि मेहनत सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. शिवराज सिंह कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को अक्सर निजी कोचिंग और अध्ययन सामग्री पर काफी धन खर्च करना पड़ता है, जबकि महाविद्यालय में यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने का आह्वान किया। डॉ. जे.पी.एस. चौहान ने कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित मंच संचालन किया। अपने आकर्षक संचालन के माध्यम से उन्होंने कार्यक्रम को रोचक और प्रेरणादायी बनाया। उन्होंने वक्ताओं के विचारों को विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उचित मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास के महत्व को रेखांकित किया। डॉ रितु सेन ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना तथा उनमें आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और सफलता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। निःशुल्क रेमेडियल कोचिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक क्षमता विकसित करने और भविष्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकश्री बालेन्द्र यादव एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



लाइनमेन के साथ मारपीट के आरोप, थाना पहुंच की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कोतवाली थाना अंतर्गत नई बस्ती स्थित बजाज गली में बिजली बिल की वसूली और कनेक्शन काटने की कार्रवाई के दौरान लाइनमैन प्रीतम सिंह सैनी के साथ मारपीट और अभद्रता किए जाने का आरोप सामने आया है। लाइनमैन के मुताबिक, उपभोक्ता ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने मामले में कोतवाली थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

बकाया है हजारों का बिल

जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 12:13 बजे लाइनमैन प्रीतम सिंह सैनी अपनी टीम के साथ बजाज गली में बिनय शर्मा के घर पहुंचे थे। संबंधित बिजली कनेक्शन बिमला सरावगी के नाम पर रजिस्टर्ड बताया गया है। इस कनेक्शन पर 18,314 रुपए का बिजली बिल बकाया था। लाइनमैन ने बिल जमा करने के लिए कहा। भुगतान नहीं होने पर कनेक्शन काटने के लिए सीढ़ी लगाई गई। शिकायत के मुताबिक, जैसे ही प्रीतम सिंह सीढ़ी पर चढ़े, बिनय शर्मा ने सीढ़ी गिराने की कोशिश की। टीम के अन्य सदस्यों ने सीढ़ी संभाली, जिससे लाइनमैन नीचे उतर सके।

कार्यवाही करने की मांग

लाइनमैन की शिकायत के अनुसार नीचे उतरने के बाद उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और उन्हें गिरा दिया गया। आरोप है कि इस दौरान गाली-गलौज भी की गई और दोबारा दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

कलेक्टर ने आयोजन को लेकर अधिकारियों को सौंपे कार्य दायित्व

कृषि उपज मंडी में कल आयोजित होगा बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कृषि उपज मंडी में बुधवार, 28 अक्टूबर को बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और शासकीय सेवकों को दायित्व सौंपे हैं। साथ ही सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जारी आदेश के अनुसार जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर को संपूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी तथा उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्रीमती प्रतिभा गौर को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

कार्यक्रम में किसानों एवं हितग्राहियों को गांवों से आयोजन स्थल तक सुरक्षित लाने और वापस पहुंचाने तथा उनके भोजन पैकेट की व्यवस्था का दायित्व अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अनुराग मोदी एवं सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सौंपा गया है। जबकि नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, टैंकर, चलित शौचालय और अग्निशमन की व्यवस्था करेंगी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतिथियों की सुरक्षा, पार्किंग और यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। संयुक्त कलेक्टर एवं एसडीएम कटनी जितेन्द्र कुमार पटेल मंच पर विशिष्ट अतिथियों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

तहसीलदार कटनी अजीत कुमार तिवारी को मंचीय कार्यों के साथ सर्किट हाउस एवं रेस्ट हाउस में अतिथियों के सत्कार और कमरों की व्यवस्था का दायित्व दिया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बसों की व्यवस्था और वाहनों की फिटनेस सुनिश्चित करेंगे।

सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा एवं सीएमएचओ डॉ. राज सिंह ठाकुर कार्यक्रम एवं पार्किंग स्थल पर स्वास्थ्य शिविर, विशिष्ट अतिथियों के लिए चिकित्सा व्यवस्था और कार्यक्रम स्थल पर एंबुलेंस की व्यवस्था करेंगे। कृषि मंडी सचिव श्री मनीष मण्डलोई मंडी परिसर की साफ-सफाई, मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों के लिए स्वल्पाहार, भोजन, शुद्ध पेयजल तथा फूल-माला और गुलदस्तों की व्यवस्था करेंगे। ऊर्जा विभाग के मुख्य कार्यपालन यंत्री निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण करने तथा आयोजन स्थल पर लीज लाइन एवं इंटरनेट की व्यवस्था के लिए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रफुल श्रीवास्तव, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस सौरभ नामदेव और मंडल अभियंता बीएसएनएल डी.के. मठधारी को सौंपा गया है।

जिला लोकसेवा प्रबंधक विभाग के दिनेश विश्वकर्मा को कार्यक्रम के लिए स्थापित डीसीसी कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है। वे परिवहन में लगी बसों के आगमन और प्रस्थान की रिपोर्ट भी संकलित करेंगे।

सड़क हादसों में दो की मौत, कई घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अलग अलग थाना क्षेत्रों में हुये सड़क हादसों में कई लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरा रोड डामर प्लांट के पास हुये सड़क हादसे में बनगवां निवासी 22 वर्षीय मनीष सिंह गोंड पिता लल्लू सिंह गोंड की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

युवक व किशोर की मौत

वहीं बड़वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की जान चली गई। पहला हादसा ग्राम विलायतकला पेट्रोल पंप के पास हुआ जिसमें सिमराड़ी (चंदिया, जिला उमरिया) निवासी 19 वर्षीय दिलबहार कोल पिता जियालाल कोल गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है। सिमराड़ी (चंदिया) के ही रहने वाले 13 वर्षीय राम कोल पिता अजय कोल की सड़क दुर्घटना में गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच कर रही है।

कुठला थाना क्षेत्र के ग्राम करहिया बड़ागांव रोड स्थित गेरू फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात मोटरसाइकिल ने विपरीत दिशा से आकर 16 वर्षीय शुभम माझी पिता दिनेश माझी (निवासी मतवारी) को जोरदार टक्कर मार दी। इस गंभीर हादसे में शुभम को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुठला थाना अंतर्गत ही लमतरा इंडस्ट्रियल एरिया में सुबह के वक्त अज्ञात वाहन की टक्कर से एक और सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। प्रार्थी राहुल मिश्रा की सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत गौरहा मेन रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बल्कर (ट्रक) क्रमांक MP 19 HA 5545 के चालक ने एक्सीडेंट कर दिया। पडरिया निवासी अच्छेलाल कोल की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित ट्रक चालक के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया है।

माधवनगर थाना क्षेत्र में खैबर लाइन पानी टंकी के पास रात के समय तेजगति और लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल (क्रमांक MP 21 ZC 3074) चलाते हुए एक दुर्घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

रेत का अवैध परिवहन करने पर ट्रैक्टर ट्राली जब्त

सिलौड़ी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व अनुविभागीय अधिकारी आकांक्षा चतुर्वेदी ,थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी के मार्गदर्शन में सिलौंडी चौकी प्रभारी अनिल पांडे की पुलिस टीम के द्वारा अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुये एक ट्रैक्टर को पकड़ा है। सोमवार को गश्त दौरान ग्राम टाला 01 में अवैध रेत से भरा हुआ टैक्टर ट्राली अवैध रूप परिवहन करते हुये मिलने पर वाहन को रोका। चौकी लाकर मामला कायम किया गया। कार्यवाही में चौकी प्रभारी अनिल पांडे, प्रधान आरक्षक अतुल शर्मा, रामसेवक विश्वकर्मा, धर्मवीर की मुख्य भूमिका रही।

हितग्राहियों को मिलेगा 90 प्रतिशत तक अनुदान का लाभ

कटनी। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत कटनी जिले के 199 चयनित ग्रामों में निवासरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र हितग्राहियों को मत्स्य पालन गतिविधियों से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को निर्धारित इकाई लागत का 90 प्रतिशत तक अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। सहायक संचालक मत्स्योद्योग आशीष कुमार नायक ने बताया कि योजना के तहत मिनी आरएएस, बायोफ्लॉक, पॉण्ड बायोफ्लॉक, संवर्धन पोखर निर्माण, फिश सेलिंग कियोस्क तथा मछली विक्रय के लिए साइकिल, मोटरसाइकिल एवं आइस बॉक्स युक्त ऑटोरिक्शा सहित अन्य चयनित मत्स्य पालन गतिविधियों का लाभ दिया जाएगा। इससे जनजातीय समुदाय के पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार स्थापित करने और आजीविका के नए अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। योजना का लाभ लेने के इच्छुक पात्र हितग्राही आवश्यक दस्तावेजों सहित अपने आवेदन कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग, जिला कटनी में कार्यालयीन समय के दौरान 30 अक्टूबर तक जमा कर सकते हैं।

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद अभियान 29 को

कटनी। युवाओं में कानूनी जागरूकता बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में 29 अक्टूबर को जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला एवं थाना भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को कानून, मौलिक अधिकारों और नागरिक सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। इसके बाद विद्यार्थियों को थाना भ्रमण कराया जाएगा, जहां वे पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून व्यवस्था बनाए रखने की प्रक्रिया और पुलिस की जिम्मेदारियों को करीब से समझ सकेंगे। अभियान का उद्देश्य युवाओं को कानून के प्रति जागरूक करना, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की समझ विकसित करना तथा उनमें जिम्मेदार नागरिक भावना को प्रोत्साहित करना है। इस माध्यम से विद्यार्थियों और पुलिस के बीच संवाद एवं विश्वास को मजबूत करने का प्रयास भी किया जाएगा।

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हरकत में आया बिजली विभाग, चार खतरनाक निर्माण हटाए

हाईटेंशन लाइन के नीचे मौत का खतरा, 23 निर्माणों को नोटिस

सवाल-प्रतिबंधित कॉरिडोर में आखिर कैसे खड़े हो गए मकान-दुकान?

अनूपपुर। रेलवे को बिजली आपूर्ति करने वाली 220 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन के प्रतिबंधित कॉरिडोर में बने मकान और अन्य निर्माण अब सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के निर्देशों के पालन के बाद मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने अनूपपुर में कार्रवाई अभियान तेज कर दिया है। अब तक 23 निर्माणों के स्वामियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं, जबकि चार खतरनाक निर्माण हटाए जाने की जानकारी दी गई है। यह कार्रवाई केवल निर्माण हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन गंभीर विद्युत जोखिमों को भी सामने लाती है, जिनकी अनदेखी लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है। बड़ा सवाल यह है कि जब विद्युत लाइनों के आसपास निर्माण के लिए सुरक्षा मानक निर्धारित हैं, तो प्रतिबंधित कॉरिडोर में मकान और अन्य संरचनाएं बनने की नौबत कैसे आई?

रेलवे की बिजली लाइन के नीचे हादसे का खतरा

अनूपपुर जिले से गुजरने वाली 220 केवी ट्रैक्शन फीडर लाइन रेलवे को विद्युत आपूर्ति करती है। इस लाइन के नीचे और आसपास सुरक्षा मानकों के विपरीत बने निर्माणों को लेकर बिजली विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। विभाग का कहना है कि उच्च वोल्टेज वाली विद्युत लाइन के नजदीक बने मकान, दुकान और अन्य संरचनाएं गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। तेज हवा, तारों के झूलने या अन्य परिस्थितियों में विद्युत तारों के संपर्क में आने का खतरा बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, तारों को सीधे छुए बिना भी विद्युत आर्क के कारण जानलेवा हादसा हो सकता है। ऐसे में प्रतिबंधित कॉरिडोर में मौजूद निर्माणों को केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय माना जा रहा है।



220 केवी लाइन के लिए 35 मीटर का प्रतिबंधित कॉरिडोर

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अनुसार, निर्धारित सुरक्षा मानकों के तहत 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के लिए दोनों ओर 27 मीटर और 220 केवी लाइन के लिए दोनों ओर 35 मीटर का प्रतिबंधित कॉरिडोर निर्धारित है। इस क्षेत्र में सुरक्षा मानकों के विपरीत निर्माण गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। विद्युत लाइनों के आसपास निर्माण के मामले में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना जरूरी है। इसके बावजूद प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण पाए जाने पर विभाग ने संबंधित निर्माण स्वामियों को नोटिस जारी कर सुरक्षा संबंधी जोखिमों से अवगत कराया है। अभियान के तहत लोगों को समझाइश देने के साथ खतरनाक निर्माण हटाने की कार्रवाई भी की जा रही है।

उज्ज्वल कॉलोनी से इंदिरा तिराहे तक कार्रवाई

अनूपपुर नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रतिबंधित कॉरिडोर के भीतर बने निर्माणों को लेकर विभाग ने कार्रवाई की है। उज्ज्वल कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 13 सहित संबंधित निर्माण स्वामियों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा चेतना नगर कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 11, अमरकंटक कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 12 तथा वार्ड क्रमांक 9 के इंदिरा तिराहा क्षेत्र में ट्रैक्शन लाइन के नीचे बने निर्माणों के स्वामियों को भी समझाइश दी गई है। उन्हें प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण नहीं करने और खतरनाक निर्माणों को हटाने के लिए कहा गया है। कंपनी के मुताबिक, अभियान के दौरान अब तक चार खतरनाक निर्माण हटाए जा चुके हैं। वहीं, 23 निर्माणों के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं। आगामी कार्रवाई में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण रहेगा।



हाईकोर्ट के निर्देश के पालन में अभियान

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के निर्देशों के पालन और विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी का कहना है कि प्रतिबंधित कॉरिडोर में बने निर्माणों से संबंधित लोगों को संभावित खतरों की जानकारी दी जा रही है, ताकि समय रहते जोखिम कम किए जा सकें। अभियान के तहत स्थानीय प्रशासन का सहयोग लिया जा रहा है। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के साथ व्यक्तिगत संपर्क और नोटिस जारी करने की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। विभाग का जोर इस बात पर है कि लोग विद्युत सुरक्षा संबंधी नियमों को गंभीरता से लें और प्रतिबंधित क्षेत्र में ऐसे निर्माण न करें, जो भविष्य में दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।



अधिकारियों के निर्देशन में जुटी टीम

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता आर.एस. पांडे और कार्यपालन अभियंता ए.पी.एस. चौहान के निर्देशन में शहडोल टीएलएम दल अभियान संचालित कर रहा है। शहडोल टीएलएम के सहायक अभियंता जगदीश असाटी स्थानीय प्रशासन के सहयोग से लोगों को सुरक्षा नियमों की जानकारी दे रहे हैं। टीम द्वारा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, व्यक्तिगत संपर्क और नोटिस के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। कंपनी की अपील है कि लोग विद्युत लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण से बचें और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें।

केवल नोटिस नहीं, प्रभावी निगरानी भी जरूरी

प्रतिबंधित कॉरिडोर में बने निर्माणों पर कार्रवाई के साथ यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि ऐसे क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों की निगरानी किस तरह की जाती रही है। मौजूदा अभियान के तहत 23 निर्माणों को नोटिस जारी होना और चार खतरनाक निर्माणों को हटाया जाना विभागीय कार्रवाई का हिस्सा है, लेकिन स्थायी सुरक्षा के लिए नियमित निगरानी और नियमों का पालन सुनिश्चित करना भी जरूरी है। यदि प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण जारी रहते हैं, तो विद्युत दुर्घटनाओं का जोखिम बना रह सकता है। इसलिए जरूरी है कि लोगों को जागरूक करने के साथ सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसे निर्माणों की पुनरावृत्ति रोकी जाए। एमपी ट्रांसको ने नागरिकों से अपील की है कि वे विद्युत लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में किसी भी प्रकार का निर्माण न करें। अभियान का उद्देश्य हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए संभावित विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आठ महीने से नामांतरण के लिए भटक रहा किसान, शिकायत के बाद भी कार्रवाई का इंतजार

पटवारी पर 1500 रुपये मांगने का आरोप

फुनगा उप तहसील में लंबित प्रकरण ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

अनूपपुर। जमीन के नामांतरण के लिए आठ महीने से तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे एक किसान की परेशानी अब तक दूर नहीं हुई है। फुनगा उपतहसील क्षेत्र के इस मामले में संबंधित हल्का पटवारी दीनदयाल टांडिया पर नामांतरण के एवज में 1500 रुपये मांगने और राशि नहीं देने पर काम में देरी करने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के बाद भी किसान को राहत नहीं मिलने से राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली और शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। किसान का कहना है कि वह लगातार कार्यालयों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन न तो नामांतरण का काम पूरा हुआ और न ही उसे शिकायत पर हुई कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी मिल सकी है।





शिकायत के बाद भी कार्रवाई का पता नहीं

मामले में आवेदक ने संबंधित पटवारी के विरुद्ध शिकायत कर नामांतरण में देरी और कथित रूप से रुपये मांगने का आरोप लगाया था। इसके बावजूद अब तक प्रकरण के निराकरण और शिकायत पर की गई कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। इससे आवेदक की परेशानी लगातार बढ़ रही है। आवेदक का आरोप है कि भूमि संबंधी काम पूरा कराने के लिए उसे बार-बार राजस्व कार्यालय पहुंचना पड़ रहा है। आम नागरिकों को समय पर राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के दावों के बीच एक किसान का महीनों तक नामांतरण के लिए परेशान होना व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल खड़ा करता है।

पहले भी प्रकाशित हो चुकी है खबर

इस मामले को लेकर पहले भी समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया था। खबर के माध्यम से नामांतरण में देरी, कथित रूप से रुपये मांगने और आवेदक को बार-बार कार्यालय बुलाए जाने की समस्या सामने लाई गई थी। इसके बाद भी किसान को राहत नहीं मिलने से यह सवाल उठ रहा है कि शिकायत के बाद जांच की प्रक्रिया कहां तक पहुंची और जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक क्या कदम उठाए हैं। यदि शिकायत पर जांच की गई है, तो उसकी स्थिति आवेदक को बताई जानी चाहिए। वहीं, यदि जांच अब तक शुरू नहीं हुई है, तो इसके कारण स्पष्ट किए जाने की जरूरत है। किसी भी शिकायत को लंबे समय तक अनदेखा किए जाने से आम नागरिकों का सरकारी व्यवस्था पर भरोसा प्रभावित हो सकता है।

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग

मामले में कलेक्टर और संबंधित राजस्व अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराकर नामांतरण प्रकरण का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने की मांग उठ रही है। प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि नामांतरण में देरी किस वजह से हो रही है और शिकायत मिलने के बाद अब तक क्या कार्रवाई की गई है। पटवारी पर रुपये मांगने के आरोपों की स्वतंत्र रूप से जांच कर तथ्यों की पुष्टि की जानी चाहिए। यदि जांच में रिश्वत मांगने या जानबूझकर काम लंबित रखने की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, यदि नामांतरण में देरी का कोई अन्य कारण है, तो उसकी जानकारी आवेदक को देकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराई जानी चाहिए। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आठ महीने से परेशान किसान को राहत कब मिलेगी? शिकायत के बाद भी नामांतरण लंबित रहने और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के बीच जिला प्रशासन की जवाबदेही अहम हो गई है। समाचार लिखे जाने तक आवेदक किसान की समस्या का समाधान नहीं हुआ था।



शरद पूर्णिमा पर श्याम भक्ति की बही रसधार, देर रात तक गूंजे बाबा खाटू श्याम के भजन

चेतना नगर में श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन

उज्जैन, बालाघाट और बिलासपुर के कलाकारों ने बांधा समां

अनूपपुर। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर अनूपपुर में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनूपपुर श्याम कीर्तन सभा की ओर से चेतना नगर में भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया। बाबा खाटू श्याम के जयकारों और मधुर भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। संकीर्तन में सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए और देर रात तक भजनों की अमृतवर्षा में सराबोर रहे।

कार्यक्रम में उज्जैन, बालाघाट और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से आए कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बालाघाट की खाटू श्याम भजन गायिका सहित अन्य कलाकारों ने बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु भावविभोर नजर आए। बाबा खाटू श्याम के प्रति श्रद्धा और विश्वास के साथ भक्तों ने संकीर्तन में सहभागिता की। देर रात तक चले इस धार्मिक आयोजन में भक्तिमय माहौल बना रहा। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस संकीर्तन में अनूपपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से श्याम बाबा के भक्त पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्ति गीतों और जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम के दर्शन-पूजन और भजनों का आनंद लिया। आयोजन ने नगर में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण का संचार किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्याम कीर्तन सभा के सौरभ खेमका, संकल्प केसरवानी, सागर शिवहरे, आशुतोष और आकाश खेमका सहित श्याम मित्र मंडल के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सदस्यों के सहयोग से आयोजित इस संकीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।



आंगनबाड़ी केंद्र में चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार, वजन करने की मशीन बरामद

अनूपपुर। सकरा के भरियाटोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र से शासकीय सामग्री चोरी के मामले में फरार चल रहे चौथे आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई वजन करने की मशीन भी बरामद की है। इससे पहले पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान और घटना में इस्तेमाल किए गए औजार जब्त कर चुकी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 अगस्त 2026 को भरियाटोला सकरा आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता मंती बैगा, निवासी पटेल मोहल्ला सकरा, ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 27 जुलाई 2026 की रात अज्ञात चोर केंद्र में लगे शासकीय एलईडी टेलीविजन, जल शुद्धिकरण यंत्र, बर्तन और वजन करने की मशीन चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 454/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ई) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने गोलू उर्फ आकाशा बैगा, अजय बैगा और दद्दा बैगा को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से चोरी का सामान, ताला तोड़ने में इस्तेमाल की गई लोहे की छड़ और दो मोटरसाइकिलें जब्त की गई थीं। इसके बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया था। मामले में मिथुन उर्फ दुपेंद्र चौधरी फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, 26 अक्टूबर को थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश उपाध्याय के नेतृत्व में गठित टीम ने फरार आरोपी मिथुन उर्फ दुपेंद्र चौधरी (22), पिता स्वर्गीय रोहणी प्रसाद चौधरी, निवासी ग्राम पटनाकला, थाना चचाई, जिला अनूपपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी से चोरी की गई वजन करने की मशीन भी बरामद की गई है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक शिव शंकर प्रजापति, महेंद्र राठौर, आरक्षक अमित यादव और महिला आरक्षक अंकिता सोनी शामिल रहे। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

अमरकंटक में 24 नवंबर से निकलेगी पृथ्वी परिक्रमा-माँ नर्मदा मैकल परिक्रमा यात्रा



अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा की आराधना और मैकल पर्वत श्रृंखला की धार्मिक परंपरा से जुड़ी पृथ्वी परिक्रमा-मैकल परिक्रमा यात्रा का तृतीय वर्ष का भव्य आयोजन 24 नवंबर मंगलवार को किया जाएगा। यात्रा का शुभारंभ प्रातः 9 बजे गणेश धुना, मां नर्मदा मंदिर परिसर, अमरकंटक धाम से होगा। पृथ्वी परिक्रमा-मैकल परिक्रमा यात्रा मां नर्मदा के अनन्य भक्त पुत्र परम तपस्वी संत सीताराम महाराज (1008), परमहंस संत चक्र तीर्थ आश्रम अमरकंटक धाम, के संरक्षण में आयोजित की जा रही है। यात्रा के संयोजक श्री श्री संत भगवानदास जी महाराज हैं, जो गणेश धुना, अमरकंटक धाम से जुड़े हैं। यात्रा का आयोजन मां नर्मदा मैकल परिक्रमा आयोजन समिति, भारतवर्ष द्वारा किया जा रहा है। मां नर्मदा की पावन धारा, मैकल पर्वत की प्राकृतिक छटा और धार्मिक आस्था से जुड़ी यह परिक्रमा यात्रा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक साधना का अवसर होगी। अमरकंटक मां नर्मदा का उद्गम स्थल होने के कारण देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां समय-समय पर होने वाले धार्मिक आयोजन नर्मदा उपासना, संत परंपरा और तीर्थ संस्कृति को आगे बढ़ाते हैं। यात्रा के आयोजकों ने धार्मिक श्रद्धा रखने वाले श्रद्धालुओं से आयोजन में सहभागिता करने की अपील की है। यात्रा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संयोजक संत भगवानदास जी महाराज से मोबाइल नंबर 7723879042 पर संपर्क किया जा सकता है।